पथ भारती

चतुर्थ अंक

वर्ष 2009

सत्यमेव जयते

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रधान संपादक की कलम से

पथ-भारती का चतुर्थ अंक नए रूप, रंग और डिजाइन में आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस अंक का डिजाइन बदलकर हमने इसे और अधिक आकर्षक बनाने का प्रयास किया है।

आरंभ से ही हमारा यह प्रयास रहा है कि यह पत्रिका अधिक से अधिक पाठकों की रुचि के अनुकूल हो। पथ-भारती के इस अंक में भी प्रबुद्ध पाठकों की विविध रुचियों को ध्यान में रखा गया है। इस अंक में विभाग से संबंधित विषयों पर चार लेख शामिल किए गए हैं। ये लेख हैं-दांडी हेरिटेज रूट (धरोहर मार्ग) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 228 : एक अवलोकन, राजमार्ग क्षेत्र में क्षमता विकास, राष्ट्रीय राजमार्गों का संवरता रूप और पथरीली जमीन में पुल की नींव के आस-पास स्कार। इस अंक में विभाग की पिछली हिन्दी सलाहकार समिति के 3 माननीय सदस्यों श्री समीरात्मज मिश्र, श्रीमती सुधा प्रसाद और श्री सतवीर सिंह तंवर के लेखों को भी शामिल किया गया है। श्री समीरात्मज मिश्र, ने 'महिला सशक्तिकरण-उपलब्धियां एवं चुनौतियां' विषय पर एक रोचक लेख लिखा है। श्रीमती सुधा प्रसाद ने अपने लेख में सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए हैं। इसमें श्री जे.जे. श्रीवास्तव ''ज्योति'' के हास्य-व्यंग्य लेख 'हाय बेरोजगारी' को भी शामिल किया गया है। इनके अलावा, कहानियां, यात्रा वृतांत, कविताएं, सांस्कृतिक लेख और संस्मरण भी शामिल किए गए हैं। इस बार बाल रचनाओं को भी शामिल किया गया है। मुझे विश्वास है कि श्री मधुर गंजमुरादाबादी की कविता 'फिर वही मधुमास' आपके दिल को छू लेगी।

इस प्रकार वर्तमान अंक में सुधी पाठकों को विविध विषयों पर रोचक, उपयोगी, ज्ञानवर्धक और पठनीय सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। मुझे आशा है कि 'पथ भारती' का यह अंक पाठकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।

इस पत्रिका के नियमित प्रकाशन के लिए आप सबके विचार, सहयोग और रचनाएं वांछनीय हैं। इसे और अधिक आकर्षक तथा उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों का सदैव स्वागत है। आशा करता हूँ कि सुधी पाठक इस अंक के बारे में अपने रचनात्मक सुझावों से हमें अवश्य अवगत कराएंगे ताकि पथ-भारती की गुणवत्ता को उत्तरोत्तर बढ़ाया जा सके।

(सरोज कुमार दास)

नि:शुल्क वितरण के लिए

पथ भारती

(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की गृह पत्रिका)

संरक्षक

श्री ब्रह्मदत्त

सचिव, भारत सरकार

प्रधान संपादक

श्री सरोज कुमार दास

संयुक्त सचिव, भारत सरकार

कार्यपालक संपादक

श्री उमा दत्त भार्गव

उप सचिव, भारत सरकार

संपादक

श्री सुनील कुमार

उप निदेशक (राजभाषा)

उप संपादक

श्री राकेश बी. दुबे

सहायक निदेशक (राजभाषा)

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखकों के हैं और मंत्रालय का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पत्र व्यवहार का पता

संपादक

पथ भारती

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय,

भूतल, कमरा नं. 18, परिवहन भवन,

1, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

विषय सूची

रचना	रचनाकार	पृष्ठ
• दांडी हेरिटेज रूट (धरोहर मार्ग)	शिवकुमार कुशवाहा	1
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 228 : एक अवलोकन (तकनीकी लेख)		
• महिला सशक्तिकरण-उपलब्धि एवं चुनौतियां (सामाजिक लेख)	समीरात्मज मिश्र	5
• फिर वही मधुमास (कविता)	मधुर गंजमुरादाबादी	8
• और सवेरा हो गया (कहानी)	बा.शे. दिवाकर	9
• राजमार्ग प्रक्षेत्र में क्षमता विकास (तकनीकी लेख)	अवधेश कुमार सिंह भदौरिया	14
• चलो प्रकृति की ओर (लेख)	एस. रामास्वामी	19
• ''हाय बेरोजगारी'' (हास्य-व्यंग्य)	जे.जे. श्रीवास्तव ''ज्योति'	20
• हिन्दी सलाहकार समिति के गैर सरकारी सदस्यों का परिचय		23
• सरकारी कामकाज में हिन्दी (राजभाषा लेख)	श्रीमती सुधा प्रसाद	27
• पीपल बाबा (कविता)	कुमार शर्मा ''अनिल''	29
• राष्ट्रीय राजमार्गों का संवरता रूप (तकनीकी लेख)	इंजि. राजकुमार अग्रवाल	31
• ढाक के तीन पात (कहानी)	हरीश कुमार अमित	32
• आत्म संतुष्टि (कहानी)	नवीन तिवारी	35
• मानवता खो रही है (कविता)	प्रेम प्रकाश शर्मा	38
• एक सबक (कविता)	सतवीर सिंह	38
• जीवन चक्र (बाल रचना)	राजवी कौशिक	39
• लुप्त हो रही भाषा (बाल रचना)	राजवी कौशिक	40
• पैसा (कविता)	रणवीर सिंह	41
• वाणी पर नियंत्रण (नैतिक शिक्षा)	सतवीर सिंह तंवर	42
• घर तो घर ही होता है (संस्मरण)	आशमा कौल	43
• कहा था उसने (कहानी)	मनजीत शर्मा 'मीरा'	46
• हर भाषा हर देश के मानव अपने ही तो सारे हैं (कविता)	कंवर सिंह यादव	50
• प्राचीन व अधुनातन संस्कृतियों का संगम-खाड़ी देश ओमान व राजधानी मस्कट (पर्यटन)	रघुनाथ सहाय	51
• पथरीली जमीन में पुल की नींव के आस-पास स्कार (तकनीकी लेख)	आर. के. धीमान	56
• धम्म चक्र (सांस्कृतिक लेख)	संजय वाकचौरे	61
• इंग्लैण्ड का अनोखा राजमार्ग जंक्शन (लेख)	राकेश बी. दुबे	65